



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार के प्रकारित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 616] नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 1, 1989/अग्रहायण 10, 1911  
No. 616] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 1, 1989/AGRAHAYANA 10, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे ऐक यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उच्चोग मंत्रालय  
(कम्पनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1989

सा.का.नि. 1030(ग्र).—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956  
का 1) की धारा 637 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग  
करते हुए भारत सरकार के उच्चोग और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) की  
3449 GI/89 (1)

1987 को ममाप्त होने वाली अवधि के दौरान, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं 208/69-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 27 अगस्त, 1969 के अधीन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के उपशीर्ष सं 3402.90 के अन्तर्गत गमन वर्गीकरण किया गया था,

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उम्म प्रथा के अनुसार जा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन उत्पाद शुल्क के उद्ग्रहण की बाबत (जिसके अन्तर्गत उसका उद्ग्रहण न किया जाना भी है) साधारणतया प्रचलित थी, उक्त माल पर उत्पाद शुल्क पूर्वोक्त अवधि के दौरान उद्ग्रहीत नहीं किया जा रहा था;

अब, अतः, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त प्रथा के न होने पर उक्त माल पर उक्त अधिनियम के अधीन सदैय सम्पूर्ण उत्पाद शुल्क उस माल की बाबत भंदाय किया जाना अपेक्षित नहीं होगा जिस पर उक्त उत्पाद शुल्क उक्त प्रथा के अनुसार पूर्वोक्त अवधि के दौरान उद्ग्रहीत नहीं किया गया था।

[एफ० सं 92/3/88-सी एकम-3]

सी० के० कलोनी, उप सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 1st December, 1989

No. 58/89-CENTRAL EXCISES (N.T.)

G.S.R. 1032 (L).—Whereas organic surface-active agents (other than soap) and surface-active preparations (whether or not containing soap) (hereinafter referred to as the said goods), was wrongly classified under sub-heading No. 3402.90 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 208/69 Central Excises, dated the 27th August, 1969, during the period commencing on the 28th day of February, 1986 and ending with the 24th day of September, 1987;

And whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944

(1 of 1944), the duty of excise on the said goods was not being levied during the aforesaid period;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise payable under the said Act on the said goods but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of the said goods on which the said duty of excise was not levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 92/3/88-CX. 3]

C. K. KALONI, Dy. Secy.

